

## जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

# पानी की पाइप से समझाया 'भौंपू कॉन्सेप्ट'

पत्रिका **plus** रिपोर्टर

जयपुर. भौतिक विज्ञान के पास्कल का नियम एक इंजेक्शन से लेकर बड़ी मशीनों में एक ही तरह काम करता है, इसका उद्देश्य है कम इनपुट में ज्यादा आउटपुट। परछाई के कई रंग हो सकते हैं। एक बल्ब से गणितज्ञ रामानुजन की छवि बनाई जा सकती है। ऐसे ही बहुत सारे बेजोड़ कॉन्सेप्ट्स के साथ गणित और विज्ञान के मेल के सहारे आइआइटी गांधीनगर के सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग के प्रिंसिपल कोऑर्डिनेटर प्रो. मनीष जैन स्टूडेंट्स



से रूबरू हुए। वे जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में चल रहे दस दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के तहत गुरुवार को स्टूडेंट्स से रूबरू हुए। उन्होंने सेशन में अबूझ से लगने वाले कॉन्सेप्ट्स को सरल, सीधे और रोचक तरीके से समझाया। अपने साथ लाए छोटे-छोटे

खिलौनों की मदद से कई जटिल गणनाओं को चुटकी में हल करना सिखाया। उन्होंने गोले, ताशपत्ती आदि में गणितीय समीकरणों की सहायता से कई जादू सरीखे बेहतर कॉन्सेप्ट्स को समझाया। सेशन के दौरान उन्होंने ए-4 साइज, गोले, पानी, पाइप का भौंपू, प्रकाश जैसी सामान्य सी चीजों से विज्ञान के कई बड़ी गणनाओं को उदाहरण देकर समझाया। इस मौके जेकेएलयू के वाइस चांसलर प्रो. धीरज सांघी ने उनके इनोवेटिव आयडियाज और टीचिंग मैथेडोलॉजी की जमकर सराहना की।